रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) पानी की नियमित व्यवस्था यद्यपि काफी नही है, फिर भी मेले के दिनो में रेलवे की ओर से पानी का खास इन्तजाम किया जाता है ताकि जहां तक हो सके तीर्थयात्रियों या दूसरे मुसाफिरो को असुविधा न हो ।

(ख) और (ग). एक नल-कूप (Tube well) बनाने की मजूरी दी गयी थी और रेलवे ने उस पर काम शुरू किया था । रेलवे के पास जो उपस्कर (equipment) थे उनसे कई जगह नलकूप लगाने की कोशिश की गयी, लेकिन नीचे की जमीन पथरीली होने की वजह से सफलता नही मिली । अब नल-कूप लगाने के लिये विशेष उपस्कर का इन्तजाम करने का विचार है ।

नलकूप लगाने पर २७,६७६ रुपये की लागत का अनुमान है, जिसमें से अब तक ७,१०० रुपये खर्च हो चुके है ।

रेलवे में विभागीय भोजन व्यवस्था

१०३. श्री मोहन स्वरूप : क्या रेलवे मंत्री निम्नलिखित बातें दर्शाने वाला एक विवरण सभा पटल पर रखेंगे .

(क) सारे भारत में कितने ठेकेदारों के ठेके विभागीय भोजन व्यवस्था के अधीन समाप्त कर दिये गये और उनमें से कितने बेकार हैं और कितनों को काम दिया जा चुका है ; और

(ख) विभागीय व्यवस्था के लिये रेलवे प्रशासन को दिल्ली, बम्बई और मद्रास आदि जैसे बड़े जंकशन स्टेशनों पर कितने कर्मचारी रखने पड़ते हैं ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) एक बयान रक्खी है [देखिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या ५२]

(ख)

जंकशन का नाम	नियुक्त कर्मचारियों की तादाद
वाल्टेर	१७
बंगलूर सिटी	३३
मुगलसराय	७८
हावड़ा	१७०
सियालदह	७७
गोरखपुर	८८
बम्बई	३१९
पूना	१०४
नागपुर	८४
झासी	८०
बिलासपुर	२६
कटक	३४
अजमेर ज०	३१
मेहसाना	५०
रतलाम ज०	५२
गौहाटी	३४
दिल्ली	१५४
नयी दिल्ली	५८

नोट — मद्रास एग्मोर और मद्रास सेन्ट्रल स्टेशनो पर विभागी खान-पान व्यवस्था नही है । इन स्टेशनो पर खान-पान व्यवस्था ठेकेदारो के हाथ में है ।

पूर्वोत्तर रेलवे में विभागीय भोजन व्यवस्था

१०४. श्री मोहन स्वरूप : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लखनऊ जंकशन (चारबाग) और सिटी स्टेशन (पूर्वोत्तर रेलवे) पर विभागीय भोजन व्यवस्था आरम्भ कर दी गई है ;

(ख) यदि हां, तो इसका रेलवे के कितने ठेकेदारों पर प्रभाव पड़ा है ;

(ग) रेलवे के कितने ठेकेदारों के ठेके विभागीय भोजन व्यवस्था के अधीन बन्द